बुद्धिर्बलवती सदा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» पाठ परिचय: 'बुद्धिर्बलवती सदा'

प्रश्न 1 (आसान). 'बुद्धिर्बलवती सदा' पाठ का मुख्य संदेश क्या है?
उत्तर – बुद्धि का महत्व और उसकी शक्ति।

प्रश्न 2 (आसान). यह पाठ किस ग्रंथ से लिया गया है?
उत्तर – 'शुकसप्ततिः'।

प्रश्न 3 (मध्यम). बुद्धिमती नामक महिला ने अपनी किस विशेषता से शेर को भगाया?
उत्तर – अपनी बुद्धि और समझदारी से।

प्रश्न 4 (कठिन). तोता और मैना (शुक-सारिका) के संवाद का इस कहानी में क्या महत्व है?
उत्तर – उनके संवाद के माध्यम से अच्छी आदतों और नीति का विकास दिखाया गया है।

» बुद्धिमती का साहस: बाघ से सामना

प्रश्न 5 (आसान). बुद्धिमती कहाँ रहती थी?
उत्तर – देउलाख्यो ग्राम में।

प्रश्न 6 (आसान). वह किसके घर जा रही थी?
उत्तर – अपने पिता के घर।

प्रश्न 7 (मध्यम). जंगल में बुद्धिमती ने किसे देखा?
उत्तर – एक भयानक बाघ को।

प्रश्न 8 (कठिन). बाघ क्यों भाग गया?
उत्तर – बाघ को लगा कि बुद्धिमती कोई 'बाघमारने वाली' स्त्री है और उसे और बाघ चाहिए, इसलिए डर के मारे वह भाग गया।

» बुद्धिमती की रणनीति: बेटों को डांटना

प्रश्न 9 (आसान). बुद्धिमती ने किसे डाँटा?
उत्तर – अपने बेटों को

प्रश्न 10 (आसान). बाघ को क्या लगा बुद्धिमती क्या है?
उत्तर – व्याघ्रमारी (बाघों को मारने वाली)

प्रश्न 11 (मध्यम). बुद्धिमती ने बेटों को थप्पड़ क्यों मारा?
उत्तर – बाघ को डराने के लिए नाटक किया।

प्रश्न 12 (कठिन). बुद्धिमती की इस रणनीति से बाघ पर क्या असर हुआ?
उत्तर – बाघ डरकर भाग गया, यह सोचकर कि बुद्धिमती बाघों को भी खा लेती है।

» बाघ का पलायन और बुद्धि की शक्ति

प्रश्न 13 (आसान). बाघ क्यों भाग गया?
उत्तर – बाघ को लगा कि बुद्धिमती 'व्याघ्रमारी' है और उसे खा जाएगी, इसलिए वह डरकर भाग गया।

प्रश्न 14 (आसान). इस कहानी में किसकी शक्ति को सबसे ऊपर बताया गया है?
उत्तर – इस कहानी में बुद्धि की शक्ति को सबसे ऊपर बताया गया है।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर बुद्धिमती अपनी बुद्धि का प्रयोग न करती तो क्या होता?
उत्तर – अगर बुद्धिमती अपनी बुद्धि का प्रयोग न करती तो बाघ उसे और उसके बच्चों को खा जाता।

प्रश्न 16 (कठिन). यह श्लोक 'अन्योऽपि बुद्धिमाँल्लोके मुच्यते महतो भयात्' क्या संदेश देता है?
उत्तर – यह श्लोक संदेश देता है कि जो व्यक्ति बुद्धिमान होता है, वह संसार में बड़े से बड़े डर या संकट से मुक्त हो जाता है।

» धूर्त सियार और बाघ का संवाद

प्रश्न 17 (आसान). सियार ने किसे डरा हुआ देखा?
उत्तर – सियार ने बाघ को डरा हुआ देखा।

प्रश्न 18 (आसान). सियार ने बाघ से पहला प्रश्न क्या पूछा?
उत्तर – सियार ने पूछा, 'आप किस भय से पलायन कर रहे हैं?'

प्रश्न 19 (मध्यम). बाघ ने सियार को अपने भागने का क्या कारण बताया?
उत्तर – बाघ ने सियार को बताया कि एक 'व्याघ्रमारी' उसे मारने आई थी और वह अपनी जान बचाकर वहाँ से भागा है।

प्रश्न 20 (कठिन). सियार ने बाघ की किस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया?
उत्तर – सियार ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि एक बाघ होकर भी वह मनुष्य से डरता है ('यन्मानुषादपि बिभेषि?')।

» सियार की चाल: बाघ को वापस लाना

प्रश्न 21 (आसान). सियार ने बाघ को क्या कहकर वापस जाने के लिए उकसाया?
उत्तर – उसने बाघ को यह कहकर उकसाया कि बुद्धिमती 'व्याघ्रमारी' नहीं है, बल्कि यह बाघ का भ्रम है।

प्रश्न 22 (आसान). सियार ने बाघ से क्या वादा किया था, यदि बुद्धिमती 'व्याघ्रमारी' न निकले?
उत्तर – सियार ने वादा किया कि यदि बुद्धिमती 'व्याघ्रमारी' न निकले, तो बाघ उसे (सियार को) मार सकता है।

प्रश्न 23 (मध्यम). बाघ को वापस ले जाते समय सियार ने अपनी सुरक्षा के लिए क्या उपाय किया?
उत्तर – सियार ने बाघ से कहा कि वह उसे अपनी गर्दन से बांधकर ले जाए, ताकि बाघ को यह न लगे कि सियार उसे छोड़कर भाग जाएगा।

प्रश्न 24 (कठिन). सियार का यह कदम उसकी किस विशेषता को दर्शाता है?
उत्तर – सियार का यह कदम उसकी धूर्तता, चालाकी और त्वरित बुद्धि (presence of mind) को दर्शाता है। वह न केवल दूसरों का मज़ाक उड़ाता है, बल्कि परिस्थितियों का फायदा उठाना भी जानता है।

» बुद्धिमती की दूसरी युक्ति: सियार को डांटना

प्रश्न 25 (आसान). बुद्धिमती ने सियार को क्या कहकर बुलाया?
उत्तर – धूर्त (चालाक)

प्रश्न 26 (आसान). बुद्धिमती ने पहले कितने बाघ लाने को कहा था?
उत्तर – तीन

प्रश्न 27 (मध्यम). बुद्धिमती ने सियार को डाँटकर किस पर प्रभाव डाला?
उत्तर – बाघ पर, जिससे वह डर गया।

प्रश्न 28 (कठिन). बुद्धिमती की इस युक्ति से क्या सिद्ध हुआ?
उत्तर – इस युक्ति से सिद्ध हुआ कि बुद्धिमती कितनी प्रत्युत्पन्नमति थी और वह किसी भी परिस्थिति में अपनी बुद्धि का उपयोग करके मुश्किल से निकल सकती थी।

» बाघ का अंतिम पलायन और कहानी का उपसंहार

प्रश्न 29 (आसान). कहानी के अंत में बाघ किसके साथ भागता है?
उत्तर – सियार के साथ।

प्रश्न 30 (आसान). बुद्धिमती बाघ से किस भय से मुक्त हुई?
उत्तर – बाघ के भय से।

प्रश्न 31 (मध्यम). बुद्धिमती ने अंत में सियार पर क्यों गुस्सा किया?
उत्तर – क्योंकि उसने तीन बाघ लाने का वादा करके सिर्फ एक ही बाघ लाया था।

प्रश्न 32 (कठिन). इस कहानी से हमें सबसे महत्वपूर्ण संदेश क्या मिलता है?
उत्तर – कि बुद्धि बल से ज़्यादा शक्तिशाली होती है (बुद्धिर्बलवती सदा)।

» शब्दार्थ और व्याकरण

प्रश्न 33 (आसान). पाठ में 'जम्बुकः' का अर्थ क्या है?
उत्तर – सियार

प्रश्न 34 (आसान). 'पितुर्गृहम्' में कौन-सी संधि है?
उत्तर – विसर्ग संधि

प्रश्न 35 (मध्यम). 'गलबद्धशृगालकः' का समास विग्रह करो और समास का नाम बताओ।
उत्तर – गले बद्धः शृगालः यस्य सः (बहुव्रीहि समास)

प्रश्न 36 (कठिन). 'मुच्यते' में कौन-सी धातु और लकार है?
उत्तर – मुच् धातु, लट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन (कर्मवाच्य)

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. पाठ के शीर्षक 'बुद्धिर्बलवती सदा' का क्या अर्थ है?

› सबसे पहले, शीर्षक के प्रत्येक शब्द का अर्थ समझते हैं।
› 'बुद्धिः' का अर्थ है 'अक्ल' या 'ज्ञान'।
› 'बलवती' का अर्थ है 'बलवान' या 'शक्तिशाली'।
› 'सदा' का अर्थ है 'हमेशा' या 'सदैव'।
› इन तीनों शब्दों को मिलाकर इसका पूरा अर्थ निकालते हैं।

उत्तर – 'बुद्धिर्बलवती सदा' का अर्थ है 'बुद्धि हमेशा बलवान होती है' या 'बुद्धि ही सदैव शक्तिशाली होती है'।

उदाहरण 2. बुद्धिमती ने बाघ को कैसे डराया?

› बुद्धिमती ने अपने दोनों बच्चों को एक ही बाघ खाने के लिए झगड़ते हुए देखा।
› उसने उन्हें एक थप्पड़ मारा और कहा, 'अरे, एक ही बाघ के लिए क्यों लड़ रहे हो? इसे पहले बाँटकर खाओ, फिर कोई दूसरा ढूँढ लेंगे।'
› यह सुनकर बाघ को लगा कि यह कोई 'बाघमारने वाली' स्त्री है, जिसे और बाघ चाहिए।
› डर के मारे बाघ वहाँ से भाग गया।

उत्तर – बुद्धिमती ने अपनी बुद्धिमानी का प्रयोग करके, बच्चों को डांटने का नाटक करते हुए बाघ को डराकर भगा दिया।

उदाहरण 3. बुद्धिमती ने बाघ को डराने के लिए क्या कहा?

› बुद्धिमती ने बाघ को अपनी ओर आते देखा।

› उसने अपने दोनों बेटों को, जो आपस में झगड़ रहे थे, थप्पड़ मारा।

› फिर उसने ज़ोर से कहा, 'अरे, एक ही बाघ के लिए क्यों लड़ रहे हो? इसे ही आपस में बाँटकर खा लो। दूसरा बाद में देखा जाएगा।'

› यह सुनकर बाघ को लगा कि यह तो बाघों को भी खा जाती है, इसलिए वह डरकर भाग गया।

उत्तर – बुद्धिमती ने अपने बेटों को डाँटते हुए कहा कि वे एक ही बाघ के लिए क्यों लड़ रहे हैं, उसे ही बाँटकर खा लें और दूसरा बाघ बाद में ढूँढ़ा जाएगा।

उदाहरण 4. बुद्धिमती ने किस शक्ति का प्रयोग करके बाघ को भगाया?

› पहला चरण: बुद्धिमती ने अपने बेटों को डाँटा और ऐसा दिखाया जैसे वे बाघ को खाने के लिए लड़ रहे हों।

› दूसरा चरण: उसने यह बात ज़ोर-ज़ोर से कही ताकि बाघ सुन ले और उसे लगे कि वह 'व्याघ्रमारी' है।

› तीसरा चरण: बाघ यह सब सुनकर डर गया और उसे लगा कि उसकी जान को खतरा है।

› चौथा चरण: डरकर बाघ वहाँ से भाग गया।

उत्तर – बुद्धिमती ने अपनी बुद्धि और सूझबूझ की शक्ति का प्रयोग करके बाघ को भगाया।

उदाहरण 5. सियार ने बाघ को डरा हुआ देखकर क्या पूछा?

› सियार ने बाघ को भयभीत अवस्था में देखा।

› उसने बाघ से प्रश्न किया कि 'आप किस भय से भाग रहे हैं?'

› यह सियार की धूर्तता और जिज्ञासा दोनों दर्शाता है।

उत्तर – सियार ने बाघ को डरा हुआ देखकर पूछा कि 'आप किस बात के डर से भागे आ रहे हैं?' ('भवान् कुतः भयात् पलायितः?')।

उदाहरण 6. सियार ने बाघ को वापस बुद्धिमती के पास ले जाने के लिए क्या तर्क दिया?

› पहला, सियार ने बाघ से कहा कि 'वह व्याघ्रमारी नहीं है', यह बाघ का भ्रम है।

› दूसरा, उसने बाघ को विश्वास दिलाया कि अगर इस बार बुद्धिमती सामने आती है और वह सच में 'व्याघ्रमारी' नहीं निकलती, तो बाघ सियार को मार सकता है।

› तीसरा, बाघ के डर को देखते हुए, सियार ने उसे अपनी गर्दन से बांधकर ले जाने का प्रस्ताव रखा, ताकि बाघ को सुरक्षा महसूस हो।

उत्तर – सियार ने बाघ को विश्वास दिलाया कि 'व्याघ्रमारी' सिर्फ एक भ्रम है, और सुरक्षा के लिए उसे अपनी गर्दन से बांधकर बुद्धिमती के पास चलने को कहा।

उदाहरण 7. बुद्धिमती ने सियार से क्या कहा जब उसने उसे बाघ के साथ देखा?

› पहला चरण: बुद्धिमती ने सियार को 'धूर्त' कहकर संबोधित किया, जिसका अर्थ है चालाक।

› दूसरा चरण: उसने सियार को याद दिलाया कि उसने उसे पहले तीन बाघ लाने के लिए कहा था।

› तीसरा चरण: उसने सियार पर आरोप लगाया कि उसने उसे विश्वास दिलाया था, पर अब वो सिर्फ एक बाघ लेकर आया है और भागना चाहता है।

› चौथा चरण: उसने पूछा कि अब वो कैसे जा रहा है, इसका जवाब दे।

उत्तर – बुद्धिमती ने सियार को डाँटते हुए कहा, 'अरे धूर्त! तूने मुझे पहले तीन बाघ लाने के लिए कहा था, और अब सिर्फ एक बाघ लेकर आया है, और वो भी विश्वास दिलाकर! अब बता, तू कैसे जा रहा है?'

उदाहरण 8. बुद्धिमती ने बाघ को डराने के लिए सियार के साथ क्या चाल चली?

› बुद्धिमती ने सियार सहित वापस आते हुए बाघ को देखा।

› उसने सोचा कि यह सियार तो धूर्त है, इसने मुझे तीन बाघ लाने का वादा किया था और अब सिर्फ एक ही लाया है।

› उसने ज़ोर से सियार को डाँटा कि अरे धूर्त, तुमने मुझे पहले तीन बाघ लाने का वादा किया था और आज केवल एक ही क्यों लेकर आए हो?

› यह सुनकर बाघ को लगा कि यह तो सच में 'व्याघ्रमारी' ही है, जो सियार को भी खा जाती है और उसे धोखा देने के लिए डाँट रही है।

› डर के मारे बाघ, सियार सहित वहाँ से तेज़ी से भाग गया और फिर कभी वापस नहीं आया।

उत्तर – बुद्धिमती ने सियार को ही डाँटकर कहा कि उसने तीन बाघ लाने का वादा किया था और एक ही लाया, जिससे बाघ को लगा कि बुद्धिमती सियार को खाने वाली है और वह डरकर सियार सहित भाग गया।

उदाहरण 9. पाठ से 'चपेटया' शब्द का अर्थ बताओ और इसमें कौन-सा प्रत्यय है, यह भी पहचानो।

› पहले हम पाठ में आए 'चपेटया' शब्द को देखेंगे।

› कहानी के संदर्भ में बुद्धिमती ने अपने पुत्रों को चपेटया प्रहृत्य (थप्पड़ से मारकर) कहा था।

› तो 'चपेटया' का अर्थ हुआ 'थप्पड़ से'।

› अब व्याकरण की दृष्टि से 'चपेटया' में 'टाप्' प्रत्यय है, क्योंकि यह 'चपेटा' (आकारांत स्त्रीलिंग) शब्द का तृतीया एकवचन रूप है। यह 'ट' से शुरू होने वाले प्रत्ययों को दर्शाता है।

उत्तर – 'चपेटया' का अर्थ है 'थप्पड़ से'। इसमें 'टाप्' प्रत्यय लगा है, जो स्त्रीलिंग शब्द बनाता है और यहाँ तृतीया विभक्ति एकवचन में प्रयोग हुआ है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• इस पाठ का शीर्षक और उसका अर्थ, तथा यह किस ग्रंथ से लिया गया है, ये छोटे प्रश्न अक्सर परीक्षाओं में पूछे जाते हैं, इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• यह कहानी हमें सिखाती है कि किसी भी मुश्किल में बुद्धि का इस्तेमाल कैसे करें। बोर्ड परीक्षा में इस घटना का वर्णन या बुद्धिमती के साहस पर आधारित प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए इसे ध्यान से समझो!

• यह कहानी संस्कृत के नैतिक शिक्षा वाले पाठों में बहुत महत्वपूर्ण है। परीक्षा में इस भाग से बुद्धिमती की चतुराई, उसकी रणनीति और बाघ के डर पर आधारित प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं। आपको बुद्धिमती के संवाद को ध्यान से समझना होगा।

• इस पाठ से अक्सर श्लोकों का अर्थ या बुद्धि के महत्व पर प्रश्न पूछे जाते हैं। श्लोक को अच्छे से समझना और उसका संदेश याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• इस भाग से अक्सर सियार की धूर्तता और उसकी युक्ति पर आधारित प्रश्न आते हैं, ध्यान से समझना कि उसने क्या तर्क दिए और क्यों।

• यह अंतिम श्लोक 'बुद्धिर्बलवती तन्वि सर्वकार्येषु सर्वदा' बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इसका अर्थ या इस पर आधारित प्रश्न बोर्ड परीक्षा में पूछे जाते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में शब्दार्थ, संधि, समास, धातु रूप और प्रत्यय से जुड़े प्रश्न ज़रूर आते हैं। इन्हें अच्छे से समझकर याद करें, ये बहुत स्कोरिंग होते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› बुद्धिर्बलवती सदा: बुद्धि हमेशा बलवान। स्रोत: शुकसप्ततिः। मुख्य पात्र: बुद्धिमती।

› बुद्धिमती ने अपनी बुद्धि से बाघ को डराकर भगाया।

› बुद्धिमती ने बेटों को डाँटकर बाघ को डराया (व्याघ्रमारी).

› बुद्धि की शक्ति ने बाघ को डराकर भगाया।
› धूर्त सियार ने डरे बाघ का उपहास किया, व्याघ्रमारी का उल्लेख।
› सियार ने बाघ को अपनी गर्दन से बांधकर बुद्धिमती के पास वापस ले गया।
› बाघ सियार सहित भागा, बुद्धिमती की बुद्धि जीती, 'बुद्धिर्बलवती सदा' संदेश।
› शब्दार्थ + व्याकरण = पाठ की गहरी समझ।